>

Title: Need to increase security measures in Railways.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। भारतीय रेल हमारे देश की जीवन-रेखा है। करोड़ों लोग प्रति वर्ष देश के इस कोन से उस कोने तक आते जाते हैं। विगत एक महीने के अंदर ट्रेन में डैकती और लूट तथा जहरखुरानी जैसी तमाम घटनाएं प्रकाश में आई हैं। इतना ही नहीं नक्सली हमलों के शिकार से भी हमारी रेलवे की 500 करोड़ से ज्यादा की सम्पत्ति का नुकसान हो चुका है। रेलवे यात्रियों में दहशत है। यात्री जहरखुरानी से प्रभावित हैं और कई लोगों की तो मृत्यु भी हो चुकी है। अब तक दो दर्जन ट्रेनें लुटेरों के हवाले हो गई हैं। कई घंटे

हमारी ट्रेनें नक्सलियों या असामाजिक तत्वों के हाथों अपहरण हो कर रहती हैं। उनमें हमारे बच्चे, महिलाएं, देश के यात्री हैं। उनमें दहशत है। हमारी सरकार से, रेल मंत्री जी से मांग है कि रेलवे की सुरक्षा बढ़ाएं। आम लोगों में इस प्रकार की घटनाएं बढ़ने से जो भय है, उन पर प्रभावी तौर पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। जो मुगल सराय रेलवे यार्ड है, वहां प्रतिदिन दस-बारह लोग जहरखुरानी का शिकार होते हैं। रेल मंत्री से मांग है कि रेल की दुर्घटनाएं हो रही हैं, सम्पत्ति का नुकसान हो रहा है, उस पर प्रभावी नियंत्रण किया जाए।